Shri Raghav Chadha.

**Concern over development work in Punjab**

SHRI RAGHAV CHADHA (Punjab): Thank you, Sir, for permitting me to speak on the Special Mention on a subject that concerns my State. The topic is, concern over development works in Punjab. महोदय, आज मैं पंजाब का प्रतिनिधि होने के नाते, मेरे सूबे पंजाब के हक़ों के लिए, बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। पंजाब वह सूबा है जिसने देश के लिए सबसे ज्यादा कुर्बानियाँ दीं। पंजाब ने देश को हरित क्रांति दी और देश के मुश्किल दौर में पेट पाला। देश की आजादी से लेकर आज तक पंजाब और पंजाबियों ने देश के लिए बहुत कुछ किया है। पंजाब भारत का ब्रेड बास्केट कहलाता है और हमारे किसान, जिन्होंने अपना सब कुछ देश के नाम कर दिया, आज मैं उस किसान की आवाज बनकर यहाँ खड़ा हुआ हूँ।

आज पंजाब की अलग-अलग योजनाओं के हजारों करोड़ रुपए, जो केंद्र ने हमें देने थे, वे रुके हुए हैं। लंबित रूरल डेवलपमेंट फंड के 5,600 करोड़ रुपये, लंबित मंडी डेवलपमेंट फंड के 1,100 करोड़ रुपये, लंबित नेशनल हेल्थ मिशन के 1,100 करोड़ रुपये, लंबित समग्र शिक्षा के 180 करोड़ रुपये, स्पेशल Assistance for Capital Creation के 1,800 करोड़ रुपये हैं। हमने बार-बार इस फंड को जारी करने की मांग रखी है। आज मैं एक बार फिर 3 करोड़ पंजाबियों की तरफ से केंद्र सरकार से अपील करता हूँ कि हमारा फंड हमें जारी किया जाए, जिससे पंजाब में विकास कार्य पूरे हो सकें, धन्यवाद।

THE VICE-CHAIRMAN (DR. SASMIT PATRA): Thank you. The following hon. Members associated themselves with the Special Mention Made by the hon. Member, Shri Raghav Chadha: Shri Jaggesh (Karnataka), Ms. Dola Sen (West Bengal), Dr. Ashok Kumar Mittal (Punjab), Shri Sanjeev Arora (Punjab), Shri A.A. Rahim (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala), Shri M. Mohamed Abdulla (Tamil Nadu), Dr. Kanimozhi NVN Somu (Tamil Nadu) and Shri Sant Balbir Singh (Punjab).

Now, Shri Muzibulla Khan.

**Demand to establish full-fledged AIIMS in Koraput, Sambalpur and Balasore**

**श्री मुजीबुल्ला खान** (ओडिशा): महोदय, कोरापुट, संबलपुर और बालासोर में समर्पित एम्स (अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान) की स्थापना की सख्त जरूरत है। इस कदम का उद्देश्य राज्य की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली का विस्तार और सुधार करना है, ताकि इसे ओडिशा के निवासियों के लिए अधिक सुलभ और प्रभावी बनाया जा सके। ओडिशा ने स्वास्थ्य सेवा में उल्लेखनीय प्रगति की है, विशेष रूप से बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना (बीएसकेवाई) के माध्यम से, जिसने अपनी उत्कृष्टता के लिए राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है। बीएसकेवाई ने पूरे राज्य में व्यापक स्वास्थ्य सेवा कवरेज प्रदान करने और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करने में नए मानक स्थापित किए हैं।

राज्य के नेतृत्व वाली यह पहल समान स्वास्थ्य सेवा वितरण और मजबूत स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के लिए ओडिशा की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। कोरापुट, संबलपुर और बालासोर में पूर्ण विकसित एम्स सुविधाओं की स्थापना ओडिशा की स्वास्थ्य सेवा क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। ये संस्थान विशेष चिकित्सा सेवाएं, उन्नत अनुसंधान सुविधाएं और स्वास्थ्य पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इस प्रकार इन क्षेत्रों की स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं को अधिक प्रभावी ढंग से संबोधित करेंगे। भुवनेश्वर में एम्स की सफलता को देखते हुए इस मॉडल को कोरापुट, संबलपुर और बालासोर तक विस्तारित करने से यह सुनिश्चित होगा कि उन्नत चिकित्सा देखभाल के लाभ पूरे राज्य में समान रूप से वितरित किए जा सकें। महोदय, मौजूदा स्वास्थ्य सेवा अंतराल को पाटने और स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे में समान विकास को बढ़ावा देने के लिए यह विस्तार महत्वपूर्ण है।

**उपसभाध्यक्ष (डा .सस्मित पात्रा)** : आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। The following hon. Members associated themselves with the Special Mention raised by the hon. Member, Shri Muzibulla Khan: Shrimati Sulata Deo (Odisha), Shri Niranjan Bishi (Odisha), Shri Subhasish Khuntia (Odisha), Shri A.A. Rahim (Kerala), Dr. John Brittas (Kerala) and Dr. V. Sivadasan (Kerala).

श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक, आप बोलिए।

### Demand to start Maharishi Valmiki Scholarship

**श्रीमती सुमित्रा बाल्मीक** (मध्य प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहती हूं कि वाल्मीकि जी का जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि कठिन परिस्थितियों में भी अडिग रहकर, समाज के कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए। वे एक आदर्श उदाहरण हैं कि कैसे एक सामान्य व्यक्ति भी अपने कर्मों और ज्ञान से महानता प्राप्त कर सकता है। उनके विचार और शिक्षाएँ आज भी प्रासंगिक हैं, विशेषकर जब हम समाज में समानता और न्याय की बात करते हैं। पिछड़े समाज से आने वाले छात्र आज पूरी दुनिया में भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। कई सारी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद वे पढ़ाई करके उन मुकामों को हासिल कर रहे हैं जो अभी तक मुमकिन न थे। इन छात्रों को उत्साहित करने और पढ़ाई के लिए पैसे की कमी को दूर करने के लिए मेरा सरकार से अनुरोध है की प्रतिवर्ष कक्षा 5 से कक्षा 12वीं तक के छात्रों के लिए प्राइवेट स्कूलों में 10,000 रुपए प्रतिवर्ष की महर्षि वाल्मीकि स्कॉलरशिप शुरू की जाए। इसके साथ ही मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज के एंट्रेंस एग्जाम के लिए ऑनलाइन कोचिंग की भी दिलाई जाए।

इस छात्रवृत्ति का मुख्य उद्देश्य छात्रों को उच्च शिक्षा के माध्यम से सशक्त बनाना और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। हमें विश्वास है कि इस छात्रवृत्ति के माध्यम से अनेक विद्यार्थी महार्षि वाल्मीकि के आदर्शों पर चलते हुए अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे और समाज में एक बेहतर भविष्य की स्थापना करेंगे। महोदय, मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह इस पर विचार करे।